Kendriya Vidyalaya Ghumarwin

केंद्रीय विद्यालय घुमारवीं

Annual E – Magazine

ई- विद्यालय पत्रिका

शैक्षणिक सत्र (2020-21)

संपादक मंडल

1. श्री एस. एस. चौहान - मुख्य संरक्षक
(उपायुक्त गुरुग्राम सम्भाग)

2. श्री रोहित जमवाल - मुख्य मार्गदर्शक
(अध्यक्ष एवं उपायुक्त, बिलासपुर)

3. श्री शशि पाल शर्मा - प्रधान सम्पादक
(नामित अध्यक्ष एवं उपमंडल अधिकारी, घुमारवीं)

4. श्री जोगिंद्र पाल डोगरा - संरक्षक
(प्राचार्य केंद्रीय विद्यालय, घुमारवीं)

संपादक-गण

1. हिंदी विभाग

श्री रजत शर्मा

(प्रा० स्ना० शि०, हिंदी, केंद्रीय विद्यालय, घुमारवीं)

छात्र संपादक -शिवांश कक्षा 9th

छात्रा संपादक - समीक्षा कक्षा 9th

2. संस्कृत विभाग

श्रीमति निर्मला देवी

(प्रा० स्ना० शि०, संस्कृत, केंद्रीय विद्यालय, घुमारवीं)

छात्र संपादक - अभिनंदन कक्षा 8th

छात्रा संपादक - सुदीक्षा कक्षा 8th

3. अंग्रेजीं विभाग

श्री धीरज सोनी

(प्रा० स्ना० शि०, अंग्रेजीं, केंद्रीय विद्यालय, घुमारवीं)

छात्र संपादक -दीपक कक्षा 9th

छात्रा संपादक - मनीषा कक्षा 9th

केंद्रीय विद्यालय घुमारवीं

उपायुक्त महोदय के आशीर्वचन

यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि के. वि. घुमारवीं 2020-21 सत्र की अपनी ई- विद्यालय पत्रिका प्रस्तुत कर रहा है | विद्यालय पत्रिका युवा प्रतिभाओं के नैसर्गिक रचनात्मक सृजन को रूपायित करने का एक महत्वपूर्ण साधन है | यह रचनात्मकता छात्रों को भविष्य के कवि, लेखक, स्तंभकार, सुयोग्य व जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रोत्साहित करने में एक उत्प्रेरक कारक के रूप में कार्य करती है |

मुझे आशा है कि के. वि. घुमारवीं इसी प्रकार से युवा लेखकों को आत्म-अभिव्यक्ति और प्रसार के लिए मंच प्रदान करता रहेगा |विद्यालय पत्रिका के प्रकाशन में उनके प्रयासों की सफलता की कामना करता है |

- श्री एस. एस. चौहान

(उपायुक्त गुरुग्राम सम्भाग)

अध्यक्ष विद्यालय प्रबंधन समिति की कलम से

मुझे अपार ख़ुशी है कि केंद्रीय विद्यालय घुमारवीं 2020-21 सत्र की अपनी विद्यालय ई-पत्रिका पेश करने जा रहा है | के. वि. सं. हमेशा से हमारे देश की विभिन्न प्रतिभाओं को एक मंच प्रदान करने में प्रबल दावेदार रहा है | विद्यालय पत्रिका एक प्रकार से सभी रचनात्मक एवं कल्पनाशील युवा मस्तिष्कों को अपनी सोच और विचारों के साथ आगे आने का अवसर प्रदान करती है | मुझे आशा है कि के. वि. घुमारवीं इसी प्रकार प्रतिभाओं को निखारने का अवसर प्रदान करता रहेगा |

मैं के. वि. घुमारवीं के छात्रों , शिक्षकों एवं प्राचार्य महोदय को उनके प्रयासों में सफलता की शुभकामनाएं देता हूँ |

- श्री रोहित जमवाल

(अध्यक्ष एवं उपायुक्त, बिलासपुर)

केंद्रीय विद्यालय घुमारवीं

नामित अध्यक्ष विद्यालय प्रबंधन समिति की कलम से

मुझे यह जानकर हार्दिक प्रसन्नता हो रही है कि केंद्रीय विद्यालय घुमारवीं अपनी ई विद्यालय पत्रिका का प्रकाशन करने जा रहा है | विद्यालय पत्रिका से वर्ष भर की गतिविधियों एवं उपलब्धियों के बारे में सभी को जानने का अवसर मिलता है | पत्रिका के सृजन में विद्यालय के शिक्षकों एवं बच्चों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है | इसमें प्रकाशित होने वाले लेख, कहानी, कविताओं तथा अन्य रचनाओं का संकलन विद्यालय के छात्रों व शिक्षकों द्वारा किया जाता है फलस्वरूप बच्चों की प्रतिभा को निखारने का यह अनुपम अवसर प्रदान करता है | मैं पत्रिका के लेखन व प्रकाशन कार्य से जुड़ें सभी शिक्षकों एवं छात्रों का विशेष रूप से धन्यवाद ज्ञापन करता हूँ एवं प्राचार्य से यह अपेक्षा करता हूँ कि केंद्रीय विद्यालय संगठन के लक्ष्य के अनुरूप विद्यालय में सभी पाठ्य सहायक क्रियाओं का सुचारू रूप से संचालन करते रहेंगे ताकि बच्चों का बहुआयामी विकास संभव हो सके |

- श्री शशि पाल शर्मा

(नामित अध्यक्ष एवं उपमंडल अधिकारी, घुमारवीं)

प्राचार्य की डेस्क से

यह बहुत गर्व एवं ख़ुशी की बात है कि हमारा विद्यालय आपके समक्ष विद्यालय पत्रिका का अंक प्रस्तुत करने जा रहा है | के.वि. घुमारवीं अपने छात्रों को सर्वोतम संभव तरीके से शिक्षा प्रदान कर रहा है ताकि बच्चे देश के जिम्मेदार नागरिक बने और स्वयं का अनुकरण योग्य उदहारण स्थापित करें | हमारे विद्यालय ने शैक्षिक एवं पाठ्यसहगामी क्रियाकलापों और उपलब्धियों में उत्तम मानक बनाए है | विद्यालय पत्रिका भी इस दिशा में मील का पत्थर है | यह बाल रचनाकारों के सृजनात्मक कौशल को उभारने निखारने के लिए मंच प्रदान करती है और बच्चों के विचारों व भावनाओं का पोषण करती है | मैं संपादकीय बोर्ड को के. वि. घुमारवीं परिवार की रचनात्मक एवं कल्पनाओं को एक सूत्र में पिरोने के लिए बधाई देता हूँ |

- श्री जोगिंद्र पाल डोगरा

(प्राचार्य केंद्रीय विद्यालय, घुमारवीं)

केंद्रीय विद्यालय घुमारवीं

संपादक-गण

संपादक की कलम से ....

विद्यालय की वार्षिक पत्रिका का अंक आपके हाथों में सौंपते हुए अत्यंत हर्षित महसूस कर रही हूँ | पत्रिका का प्रमुख उद्देश्य है विद्यालय की गतिविधियों एवं उपलब्धियों का तथा छात्रों के विकास का समाचार आप तक पहुँचाना इस पत्रिका से सुलभ होगा |

शिक्षा का प्रमुख उद्देश्य है शिक्षार्थी का सर्वांगीण विकास जिसका अर्थ है मानसिक, शारीरिक, भावनात्मक व रचनात्मक कौशल का विकास | विद्यालय पत्रिका इन उद्देश्यों की पूर्ति के साधनों का एक प्रमुख अंग है | विद्यालय पत्रिका जहाँ एक और बालमन की कोमल भावनाओं के फूटते अंकुर का पोषण करती है वही बालमन का पल-पल विकास होते देखकर परम संतोष का अनुभव होता है | ठीक वैसे ही जैसे खिलते हुए फूलों को देखकर उस माली को होता है जो उन्हें सींचता है |

अपने शब्दों और भावनाओं को छपा देखकर किसका मन रोमांच से नहीं भरता | उनकी कल्पनाओं को मूर्त रूप देने में विद्यालय पत्रिका सांचे की भांति कार्य करती है | पत्रिका में सभी विद्याओं को समाविष्ट करने का प्रयास किया गया है | छात्रों के विचारों और प्रयासों का मूर्तरूप तथा विद्यालय का दर्पण यह आपकी शुभकामनाओं एवं प्रोत्साहन की अपेक्षा के साथ आपके समक्ष प्रस्तुत है | आपके सुझाव सदैव हमारा मार्गदर्शन करेंगे | विद्यालय की इन्द्रधनुषी भावनाओं को प्रत्यक्ष आकार देने में प्राचार्य महोदय का अमूल्य योगदान रहा है जिनके सतत सहयोग एवं मार्गदर्शन से यह कार्य संपन्न हो सका |

मैं समस्त साथी शिक्षक, शिक्षिकाओं एवं छात्र-छात्राओं का धन्यवाद करती हूँ जिन्होंने प्रत्यक्ष व परोक्ष रूप से पत्रिका निर्माण में सहयोग किया है |

श्रीमति निर्मला देवी

(प्रा० स्ना० शि०, संस्कृत, केंद्रीय विद्यालय, घुमारवीं)

केंद्रीय विद्यालय घुमारवीं

From the Pen of Editor

When the word 'School' comes to my mind, I feel that school is a social institution that reflects the standard of the society. Thus, a good school is required for a good society to utilize and exalt its hidden talents for the fullest possible upliftment and progress. Keeping this thought in mind, I feel immense pleasure to be the part of this school magazine, which is a kind of platform for the students to express their views and thoughts.

Educations is not just getting good marks to become a Doctor or an Engineer but it has a vast domain instead. Education's real purpose is to enhance our thought process that makes us noble, kind and sincere citizen so that we can contribute in the progress of the nation.

Someone has remarkably said, "Mind is like a parachute that works best when it is opened." This humble initiative is to set the budding minds free allowing them to roam free in the realm of imagination and experience to create a world of beauty in words.

I hope the creative writing of our young writers will fill the hearts of the readers with a new hope.

Happy reading!

Mr. Dheeraj Soni
(TGT English, K V Ghumarwin)

केंद्रीय विद्यालय घुमारवीं

हिंदी विभाग

हमारा केंद्रीय विद्यालय

भारत भूमि की पुण्य धरा पर नालन्दा इक तीर्थ हुआ ,
संस्कारों का शंखनाद कर जग में यह विख्यात हुआ ।
गंगा जमुना सरस्वती सी त्रिवेणी वहाँ बहती थी ,
बौद्ध जैन और धर्म सनातन वहाँ की वाणी कहती थी ।
नालंदा के समान ही तक्षशिला भी ख्यात् रहा ,
गुरु चाणक्य ने शिक्षा देकर चंद्रगुप्त सा सूर्य दिया ,
उसी सूर्य की रश्मियों से भारत वृक्ष विकास किया ।
उसी वृक्ष की शाखाओं से विद्यालयों ने जन्म लिया ।
विद्यालयों के इतिहास में सन बासठ विख्यात रहा ,
केंद्रीय विद्यालय की स्थापना से स्मरण में भी आज रहा ।
आशा ही नहीं विश्वास है पूर्ण गौरव आएगा ।
केंद्रीय विद्यालय भारत में नालंदा सा छाएगा ।

- निर्मला देवी (प्रशिक्षित स्नातक शिक्षका, संस्कृत)

*****

देशभक्तिः

मम देशः भारतदेशः |जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी इति श्री रामस्य वचनम् अस्ति। यस्मिन् देशे वयं जन्मधारणं कुर्मः स हि अस्माकं देशः जन्मभूमिः वा भवति । जननी इव जन्मभूमिः पूज्या आदरणीया च भवति । अस्याः यशः सर्वेषां देशवसिनां यशः भवति । अस्याः गौरवेण एव देशवसिनां गौरवम् भवति । ये जनाः स्वाभ्युदयार्थ देशस्याहितं कुर्वन्ति ते अधमाः सन्ति । देशभक्तिः सर्वासु भक्तिषु श्रेष्ठा कथ्यते । अनया एव देशस्य स्वतंत्रतायाः रक्षा भवति । अनया एव प्रेरिताः बहवः देशभक्ताः भगत सिंहः, चन्द्रशेखर आजाद प्रभृतयः आत्मोत्सर्गम् अकुर्वन् । झाँसीश्वरी लक्ष्मीबाई, राणाप्रताप मेवाड़केसरी, शिववीरः च प्रमुखाः देशभक्ताः अस्माकं देशे जाता । देशभक्तिः व्यक्ति-समाज -देशकल्याणार्थ परमम् औषधम् अस्ति । देशभक्ताः एव देशस्य निर्माणं कुर्वन्ति।

सुदीक्षा (कक्षा - 8TH)

*****

सत्य की राह

सत्य से न होती किसी को हानि

होती उनको जो करते बेईमानी

जो बोलता हरदम सत्य की वाणी

वहाँ न चलती किसी की मनमानी

सत्यवादी होता हरदम अभय

जिसकी होती सदा विजय

जो सब सह के रह सकता निर्भय

कठिन परिस्थिति के बाद होती उसकी अवश्य जय

माना सत्य की राह पर चलना होता है कठिन

पर इस राह पर मिलते मनुष्य सज्जन हर दिन

झेलनी पड़े दुबिधा जीवन हो चाहे कठिन

किन्तु फल मिलता है मीठा सत्य का एक न एक दिन

सत्य की राह पे चलते हुए हो जाए भले अपमान

इस राह पे चलने वाला कभी न होता है बदनाम

जो लोभ या कष्ट के पीछे न बदले अपना ईमान

उसकी रक्षा करने आते स्वयं परमेश्वर भगवान |

- विनय (कक्षा 10th)

*****

केंद्रीय विद्यालय धुमारवीं

बचपन

एक बचपन का जमाना था ,

जिसमें खुशियों का खजाना था ,

चाहत चाँद को पाने की थी ,

पर दिल तितली का दीवाना था ,

खबर ना थी सुबहा की

ना शाम का ठिकाना था ,

थक कर आना स्कूल से

पर खेलने भी जाना था ....

माँ की कहानी थी ,

परियों का फ़साना था ....

बारिश में कागज की नाव थी ,

हर मौसम सुहाना था |

- समीक्षा (कक्षा 9th)

*****

लिखूँ क्या ?

स्कूल की मैगज़ीन छप रही है ,

मिला मुझे समाचार |

सोचा मैं भी लिख डालूँ,

आर्टिकल दो - चार |

कविता लिखूँ या लिखूँ कोई लेख ,

या फिर कोई प्रसंग ?

इसी सोच में बैठा मैं ,

सिर घुटनों पर टेक |

केंद्रीय विद्यालय घुमारवीं

पूछा पापा विषय बताओ ,
या कोई लेख ।
जिसे पढें सब मज़े से ,
और हो जाए प्रसन्न ।
सोचा बहुत पर लिखने को
न मिला कोई प्रसंग ।
इसी सोच में बैठा मैं ,
सुबह से हो गई रात ।
इन्हीं विचारों में डूबकर ,
एक तुक्का लगा डाला ।
टूटे - फूटे शब्दों में ,
इस कविता को लिख डाला ।

- ममता (कक्षा 5th)

*****

हम आगे कदम बढ़ायेंगे

हम आगे कदम बढ़ायेंगे
भारत की ध्वजा फहरायेंगे ।
हम नन्हें - नन्हें बच्चें हैं ,
नादान उम्र के कच्चे हैं ,
जननी की जय - जय गायेंगे
भारत की ध्वजा फहरायेंगे ।
हम भय से कभी न डरेंगे ,
अपनी ताकत को तोलेंगे
हम सत्य हमेशा बोलेंगे ।

केंद्रीय विद्यालय घुमारवीं

अपना सिर भेंट चढ़ायेंगे ।

भारत की ध्वजा फहरायेंगे ।

- आरव (कक्षा 7th)

*****

नीति के दोहे

काल करै सो आज कर , आज करै सो अब ।
पल में परलय होएगी , बहुरि करैगा कब | |

करत करत अभ्यास ते , जड़मति होत सुजान ।
रसरी आवत जात ते , सिल पर परत निसान । |

बड़ा हुआ तो क्या हुआ , जैसे पेड खजूर |
पंथी को छाया नहीं , फल लागै अति दूर | |

अति का भला न बोलना , अति की भली न चूप |
अति की भली न बरसना , अति की भली न धूप | |

रहिमन यही संसार में , सब सो मिलिए धाई ।
ना जाने केहि रूप में , नारायण मिल जाई | |

माखी गुड़ में गड़ी रहे , पंख रहे लपटाय ।
हाथ मले और सिर धुने , लालच बुरी बलाय | |

-अभिनव कौशल (कक्षा 6th)

*****

राहों पर चलने वालों को मत रोको
मंजिलों पर चढने वालों को मत रोको
हम तो उड़ते परिंदे हैं ऊँची उड़न भरेंगे
हमें ऊँचा उड़ने से मत रोको |

-सुदीक्षा (कक्षा 8th)

*****

केंद्रीय विद्यालय धुमारवीं

मैदान में हारा हुआ इंसान फिर से जीत सकता है

लेकिन

मन से हारा हुआ इंसान कभी नहीं जीत सकता।

- रजत (कक्षा 8th)

*****

बेटी

प्यारे भैया प्यारी बहना

मम्मी- पापा जी से कहना

जब जब जन्म लेती है बेटी

खुशियाँ साथ लाती है बेटी

फूलों सी कोमल हृदय वाली

होती हैं बेटियां

प्यारे भैया प्यारी बहना

मम्मी- पापा जी से कहना

एक मीठी सी मुस्कान हैं बेटियां

यह सच है कि मेहमान हैं बेटियां

लेकिन घर की पहचान बनती हैं बेटियां।

- वैशाली (कक्षा 8th)

*****

पहेलियाँ

धन दौलत से बड़ी यह

सब चीजों से ऊपर है यह

जो पाए पंडित बन जाए

बिना पाए मुर्ख बन जाए।

- विद्या

केंद्रीय विद्यालय धुमार्वीं

जो करता वायु शुद्ध

फल देकर जो पेट भरे

मानव बना है , उसका दुश्मन ,

पर तब भी उपकार करे ।

- वृक्ष

-अभय शर्मा (कक्षा 7th)

*****

जन्म दिया रात ने

सुबह ने किया जवान

दिन ढलते ही

निकल गई इसकी जान ।

- समाचार पत्र

लम्बा तन और बदन है गोल

मीठे रहते मेरे बोल

तन पे मेरे छोटे छेद

भाषा का मैं न करु भेद ।

- बाँसुरी

- वैशाली (कक्षा 8th)

*****

चुटकुले

राम की माँ ने कहा - जा बेटा बाज़ार से गरम मसाला ले आ |

राम - अच्छा माँ

बाज़ार से आया राम - माँ बाज़ार में सारे मसाले ठन्डे थे , गरम कोई नही था |

*****

केंद्रीय विद्यालय घुमारवीं

बेटा - पापा कल हम मालामाल हो जायेंगे

पापा - वो कैसे ?

बेटा - क्योंकि कल गणित के मास्टर हमे पैसों को रुपए में बदलना सिखायेंगे |

- रुद्रांश (कक्षा 4th)

*****

कोरोना वायरस

यह एक तरह से संक्रमित वायरस है यह वायरस एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति मे संक्रमण के जरिये फैलता है इस वायरस के लक्षण निमोनिया की तरह हैं

लक्षण

- सिरदर्द
- सांस लेने मे तकलीफ
- छींके
- ख़ांसी
- बुख़ार

बचाव

- अपने हाथों को समय-समय पर धोते रहें. समय-समय पर साबुन और पानी से हाथ धोएं. या आप चाहें तो एक अल्कोहॉल बेस्ड सैनेटाइज़र भी इस्तेमाल कर सकते हैं. सैनेटाइज़र को हाथों पर अच्छी तरह लगाएं. इससे अगर आप के हाथ पर वायरस मौजूद हुआ भी तो समाप्त हो जाएगा.
- मास्क का इस्तेमाल करें
- जिन्हे सर्दी या फलु जैसे लक्षण हो तो एक मीटर की दूरी बनाकर रखें
- भीड भाड वाले इलाकों मे जाने से बचें

- अनुज ठाकुर (कक्षा 4th)

*****

केंद्रीय विद्यालय घुमारवीं

देश की उन्नति-प्रगति

"जो भरा नहीं है भावों से बहती जिसमें रसधार नहीं।

वह हृदय नहीं वह पत्थर है जिसमें स्वदेश का प्यार नहीं।।"

मैथिलीशरण गुप्त की यह पंक्तियां पढ़कर किस व्यक्ति के मन में एक अजीब सी हलचल उत्पन्न नहीं होगी और देश के लिए देश की उन्नति के लिए मन में कुछ कर गुजरने की इच्छा जागृत नहीं होती इसी के तहत हमारे देश भारत में जिसके सिर पर हिमालय रूपी मुकुट है जो नदी और प्राकृतिक संपदाओं के बदौलत हमारे देश की उन्नति में अग्रसर है।

देश की उन्नति हमारी उन्नति: हमारा भारत देश की उन्नति हम पर ही निर्भर करती है हमें हमारे देश की उन्नति पर महत्व देते हुए सबसे पहले हमारे क्या कर्तव्य है यह समझना जरूरी एक व्यक्ति उन्नति उसके राष्ट्र उसकी स्वयं की उन्नति है इसके लिए सबसे पहले तो हमारे क्या कर्तव्य है ये समझना होगा आर्थिक विकास में वृद्धि, अनुशासन ,अच्छी शिक्षा, हमारे देश की गरीबी को मिटाने ,सभी राजनीतिक और सामाजिक मुद्दों को मिटाना जरूरी है सभी के आदर की भावना रखकर वोट डालने जाना सभी वह कार्य जो देश की उन्नति में बाधा पहुंचाते हैं उन्हें खत्म करना वह बाधाएं खत्म होगी तभी देश और हमारी उन्नति संभव है।

अनेकता में एकता भारत की राष्ट्रीय विशेषता: हमारे देश भारत की उन्नति का एक महत्वपूर्ण तत्व अनेकता में एकता की भावना है हमारे देश में विभिन्न जाति और धर्म के लोग हैं जो आपस में मिलकर रहते हैं जो हमारे उन्नति का एक अति आवश्यक तत्व है| भारत देश में हर एक हजार किलोमीटर पर बोलियां बदलती जाती है तरह-तरह की बोलियां संस्कृति है जो हमारे देश को एक धागे में बांधे रखती है और यही कारण है कि इस एकता की वजह से ही हमारा देश भारत नित्य नए आयाम कायम कर रहा है और उन्नति प्राप्त कर रहा है ।

"जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी": हमारा देश अत्यंत प्राचीन देश है, जो सोने की चिड़िया कहकर पुकारा जाता था। तक्षशिला तथा नालंदा विश्वविद्यालय संपूर्ण विश्व में ज्ञान का प्रकाश फैला कर देश की उन्नति कर रहे है। आप खुद ही सोचिए जब देश विदेश से विद्यार्थी आकर शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं, तो हमारे देश की शिक्षा ने देश की उन्नति में कितना महत्वपूर्ण योगदान प्रदान किया है।

- रजत शर्मा(प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक,हिंदी)

*****

संस्कृत विभाग

विद्या-महिमा

अहं जय प्रकाशः सप्तम कक्षायां पठामि | मया विद्या महिमा इति विषये श्लोकाः संकलिताः सन्ति -

1. सुखार्थिनः कुतोविद्या विद्यार्थिनः कुतःसुखम् ।
सुखार्थी वा त्यजेद् विद्यां विद्यार्थी वा त्यजेत् सुखम् ॥

भावार्थ :

जिसे सुख की अभिलाषा हो (कष्ट उठाना न हो) उसे विद्या कहाँ से ? और विद्यार्थी को सुख कहाँ से ? सुख की ईच्छा रखनेवाले को विद्या की आशा छोडनी चाहिए, और विद्यार्थी को सुख की ।

2. न चोरहार्यं न च राजहार्यं न भ्रातृभाज्यं न च भारकारी ।
व्यये कृते वर्धते एव नित्यं विद्याधनं सर्वधन प्रधानम् ॥

भावार्थ :

विद्यारुपी धन को कोई चुरा नहीं सकता, राजा ले नहीं सकता, भाईयों में उसका भाग नहीं होता, उसका भार नहीं लगता, (और) खर्च करने से बढता है । सचमुच, विद्यारुप धन सर्वश्रेष्ठ है ।

3. नास्ति विद्यासमो बन्धुर्नास्ति विद्यासमः सुहृत् ।
नास्ति विद्यासमं वित्तं नास्ति विद्यासमं सुखम् ॥

भावार्थ :

विद्या जैसा बंधु नहीं, विद्या जैसा मित्र नहीं, (और) विद्या जैसा अन्य कोई धन या सुख नहीं ।

4. विद्या नाम नरस्य रूपमधिकं प्रच्छन्नगुप्तं धनम्
विद्या भोगकरी यशः सुखकरी विद्या गुरूणां गुरुः ।
विद्या बन्धुजनो विदेशगमने विद्या परा देवता
विद्या राजसु पूज्यते न हि धनं विद्याविहीनः पशुः ॥

भावार्थ :

विद्या इन्सान का विशिष्ट रुप है, गुप्त धन है । वह भोग देनेवाली, यशदात्री, और सुखकारक है। विद्या गुरुओं का गुरु है, विदेश में वह इन्सान की बंधु है । विद्या बडा देवता है; राजाओं में विद्या की पूजा होती है, धन की नहीं । इसलिए विद्याविहीन पशु ही है ।

- जय प्रकाश (कक्षा 6th)

*****

केंद्रीय विद्यालय धमतरी

LIBRARY ACTIVITIES

EK BHARAT SHRESHTHA BHARAT ACTIVITIES

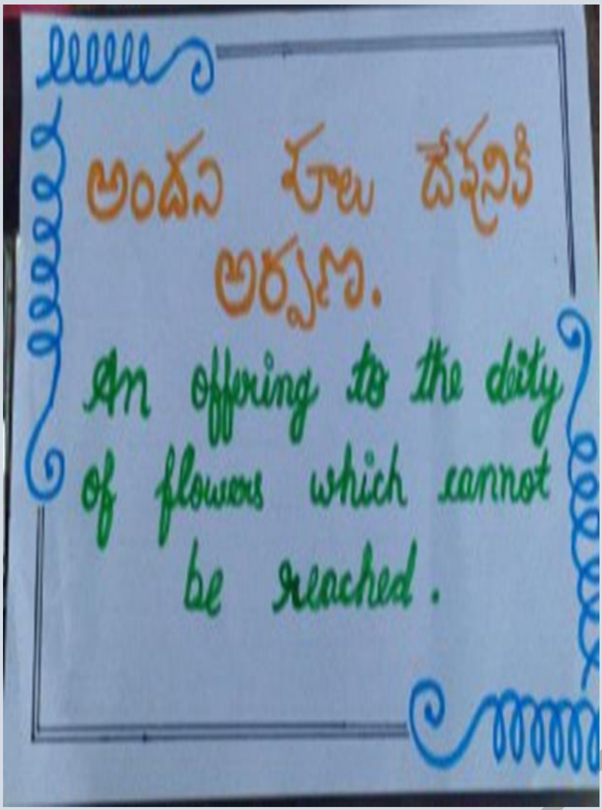

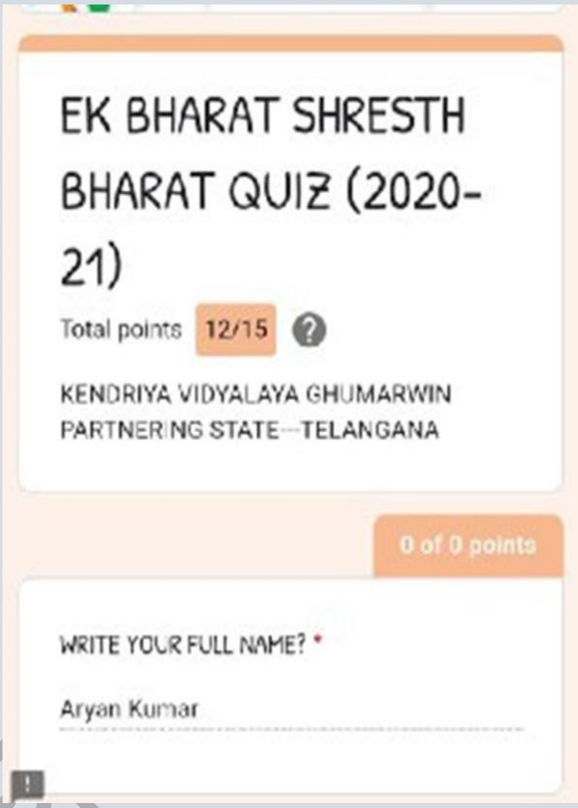

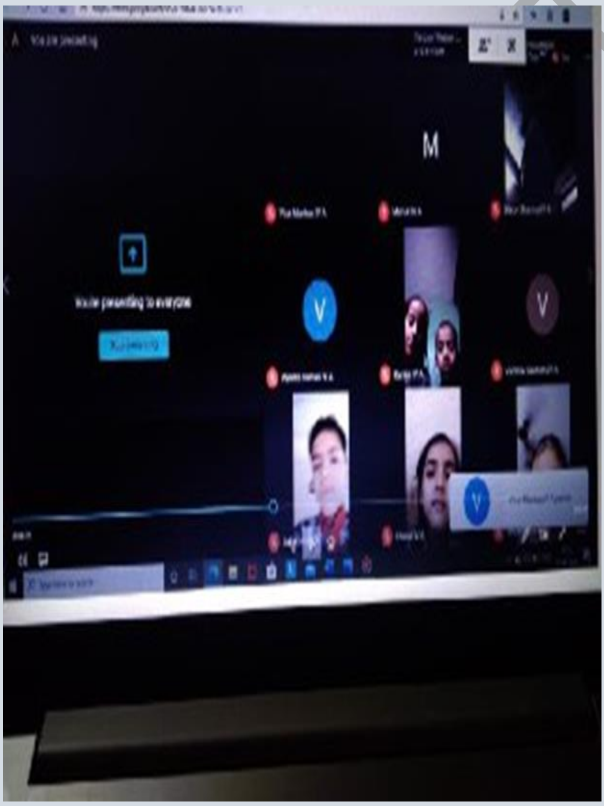

MATH PUZZLES

Logic Math Problem: -

1. 9+5=2???
   Answer: When it is 9 am, add 5 hours to it and you will get 2 pm.
2. Mr. Smith has four daughters. Each of his daughter has a brother. How many children does Mr. Smith have?
   Answer: He has 5 children. All the daughters have the same one brother.
3. How many Number do you see here?

   Answer: Look carefully at this image, you will see 0,1,2,3,4,5,6,7,89.

- Ahana Sharma (Class 7th)

*****

ENVIRONMENT DAY CELEBRATIONS

EARTH'S ATMOSPHERE

Earth is the only planet in the solar system with an atmosphere that can sustain life. The blanket of gases not only contains the air that we breathe but also protects us from the blasts of heat and radiation emanating from the sun.

It warms the planet by day and cools it at night.
Earth's atmosphere is about 300 miles (480 kilometers) thick, but most of it is within 10 miles (16 km) the surface. Air pressure decreases with altitude. At sea level, air pressure is about 14.7 pounds per square inch (1 kilogram per square centimeter). At 10,000 feet (3 km), the air pressure is 10 pounds per square inch (0.7 kg per square cm). There is also less oxygen to breathe.

Composition of air

According to NASA, the Gases in Earth's Atmosphere include:

- Nitrogen — 78 percent
- Oxygen — 21 percent
- Argon — 0.93 percent
- Carbon dioxide — 0.04 percent
- Trace amounts of neon, helium, methane, krypton and hydrogen, as well as water vapour.

- Deepak Kumar (Class 9th)

*****

केंद्रीय विद्यालय घुमार्वी

POPULATION DAY CELEBRATIONS

ENGLISH SECTION

MY COUNTRY INDIA

MY COUNTRY INDIA

The world's biggest encyclopedia

India has many name.

It was independent in August.

World power it will be must

It is the youngest country

It is ideal of pleasantry

India is Agricultural Industry.

It is famous for Unity.

Because there is lot of Diversity.

India is known for ideal of Democracy.

India's Mathematics known for its accuracy.

The world make India culture.

Brotherhood is its feature.

The king of world is India's Future.

It is also famous for Indian Nature.

Lastly

INDIA is freedom fighter,

The Pollution is very Lighter.

- Dishita Kumari (Class 7th)

*****

केंद्रीय विद्यालय घुमारवीं

I LOVE YOU

Mummy and Daddy

I love you

Come to me

When I call you

Give me a Kiss

When I ask you

Mummy and Daddy

I love you.

*****

A For Apple

A For Apple, B for Ball

C for Cat, D for Doll.

If I learn my ABC,

Soon a great man call.

-Diksha Thakur (Class 3rd)

*****

LITTLE BOY

I am a little boy

I am a little Boy,

I like to go to my School.

I listen to my Teacher and follow every rule.

I am a little scholar,

I like to go to school.

-Shivansh (Class 3rd)

*****

केंद्रीय विद्यालय घुमारवीं

God is one

Flowers are many

But Garden is one.

Planets are many

But Universe is one.

Members are many

But family is one.

States are many

But Nation is one.

Religions are many

But God is one.

– Priyanshi (Class 2nd)

*****

TWO LITTLE HANDS

Two little hands to

Clap Clap Clap

Two little legs to

Tap Tap Tap

Two little eyes to

Open wide open wide

One little hands go

Side to side.

– Anuj (Class 3rd)

*****

केंद्रीय विद्यालय घुमारवीं

FATHER

You held my hand.

When I was small

You caught me when I fell

You're the hero of my childhood

And my later years as well

And every time I think of you

My heart still fills with pride

Though I'll always miss you Dad

I know you're by my side

In laughter and in sorrow

In Sunshine and through rain

I know you're watching over me

Until we meet again

I go miles away from you

And running behind my dreams

But when your innocent eyes

Come into my mind

I fill with tears and

Wish to come back

I love you Dad.

Ankita Kumari (Class 10th)

*****

केंद्रीय विद्यालय धूमारवीं

LET NO-ONE STEAL YOUR DREAMS

Let no one steal your dreams

Let no one tear apart

The burning of ambition

That fires the drive inside your heart

Let no-one steal your dreams

Let no-one tell you that you can't

Let no-one hold you back

Let no-one tell you that you won't

Set your sights and keep them fixed

Set your sights on high

Let no-one steal your dreams

Your only limit is the sky

Let no-one steal your dreams

Follow your heart

Follow your soul

For only when you follow them

Will you feel truly whole.

–Preeti Dhiman (Class 10th)

*****

केंद्रीय विद्यालय धुमारवीं

MOTHER

A mother who always cares,

A mother who's always there.

A mother who always prays,

A mother who always stays.

When things get rough,

When life gets tough.

When it’s too much to bear,

God's word she shares. God's light she shines.

So, blessed God made this mother mine

- Kashish Thakur (Class10th)

*****

SAVE GIRL CHILD

Let me live, Let me bloom

Let me shine like Beautiful moon

Let me come, and see the world

Let me fly like beautiful bird

Don’t be so cruel oh selfish!

Let me swim like colourful fish

Listen my cry, Listen my scream

Let me fulfil my wishes & dream

Let me see this beautiful earth

Please don’t kill me before my birth.

– Sudiksha (Class 8th)

*****

केंद्रीय विद्यालय घुमारवीं

DID YOU KNOW?

- Octopus has three hearts and their blood is light blue!
- Spiders can re-grow their missing legs!
- Houseflies find sugar with their feet, which are 10million times more sensitive than human tongues!
- A rattlesnake's rattle is made of the same material as their own nails!
- African lungfish can survive without water for several month and breathe using lungs rather than gills!
- When we sleep we grow by 0.3 of an inch!

- Kartik Chandel (Class 10th)

*****

THOUGHTS

You cannot believe in god
until you believe in yourself.

Happiness is not something ready-made,
It comes from your own actions.

What you think of yourself matters much more
than what others think of you.

The sign of a beautiful person is that
they always see beauty in other.

A Champion is a Dreamer
Who never gives up.

-Priya Shagun (Class 9th)

*****

केंद्रीय विद्यालय घुमारवीं

FACTS ABOUT SCHOOLS AROUND THE WORLD

- The primary school in Phumachangtang, Tibet is thought to be the highest school in the world.
- The King's school in Canterbury, England is the world's oldest school.
- A School in the Phillippines is made entirely of world's recycled pop bottles.
- The largest school in the world in terms of number of students is The City Montessori School in Lucknow, India.
- The children in Holland start school on their fourth birthday so there is always someone new in class.
- Mealtime in France is considered part of the curriculam.
- In a remote area of Columbia, kids have to travel to school on a zip line.
- Iran is one country where girls and boys are educated separately till the time they reach college.

–Pranjal Thakur (Class 10th)

*****

NATIONAL CONSTITUTION DAY

We celebrate national constitution Day or sanvidhan Divas on 26th November every year. The Significance of this Day is that on this day in the year 1949, The Constituent Assembly of India adopted the Constitution of India. However, the constitution of India came into force on 26th January 1950. We celebrate 26th January as Republic Day Every year.

On 11th October 2015, While laying the foundation stone of DR. B.R. Ambedkar's statue of equality memorial at Indu Mills Compound, in Mumbai, the Prime Minister of India, Narender Modi made a Declaration. On 19th November 2015, the Government of Indian officially declared 26th November as the National Constitution Day by notification in the Gazette.

The year 2015 marks 125th birth anniversary of DR. B.R. Amdedkar. Baba Saheb was the chairman of drafting of the Indian Constitution. The Idea behind choosing this day to celebrate is to spread the importance of constitution as well as the ideas and thoughts of Baba Saheb Ambedkar.

-Manisha Class 9th

*****

TEACHERS DAY CELEBRATIONS

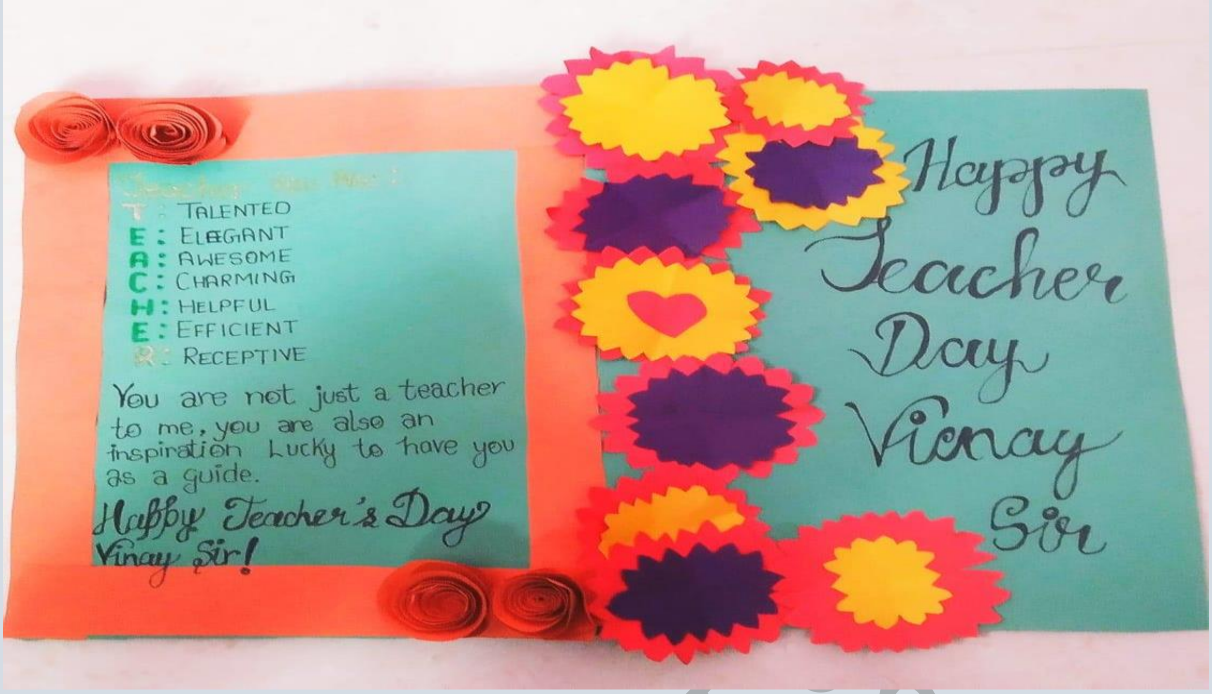

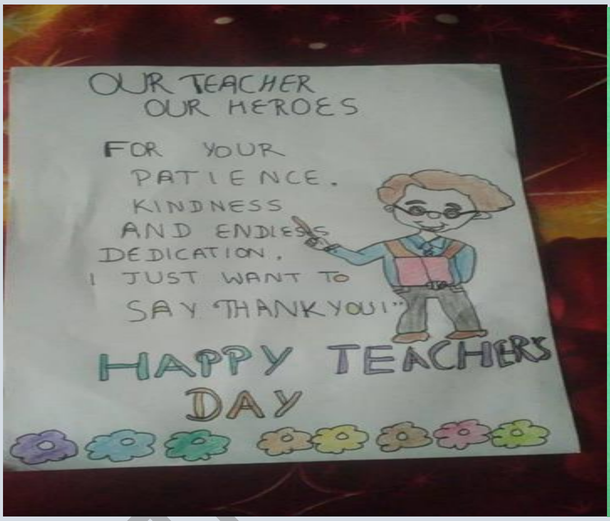

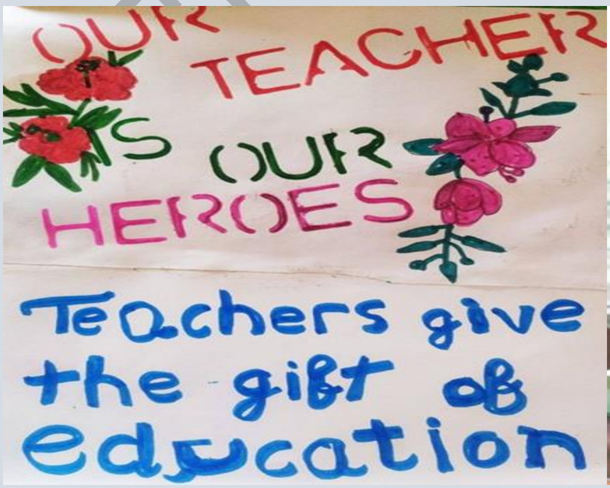

INDEPENDENCE DAY CELEBRATIONS

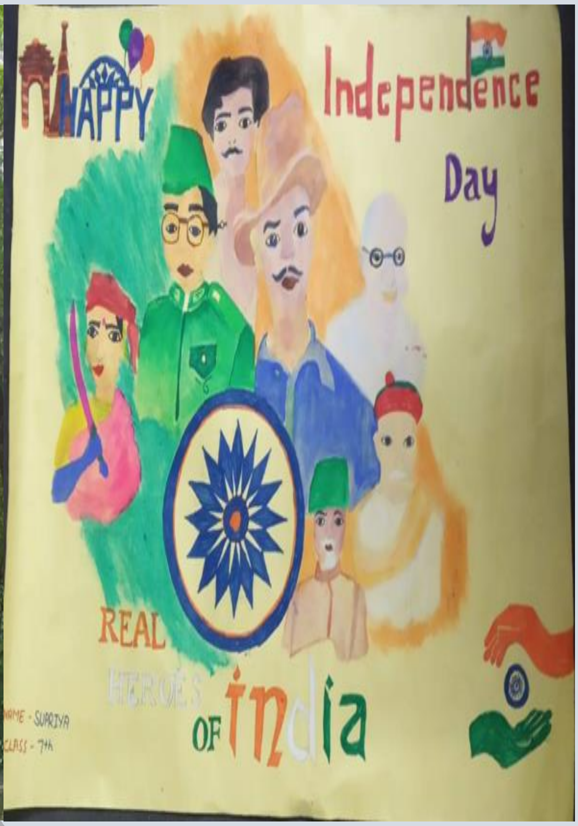

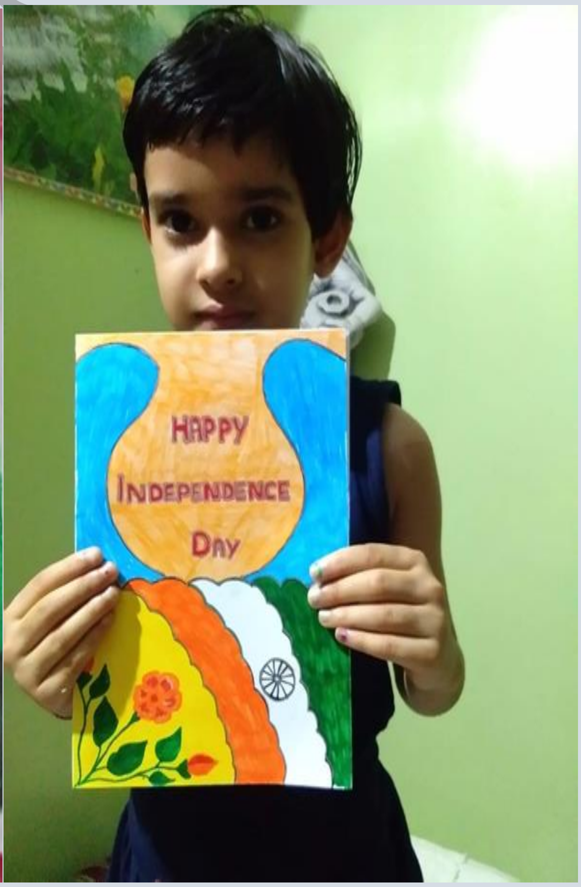

DEEPAWALI CELEBRATIONS

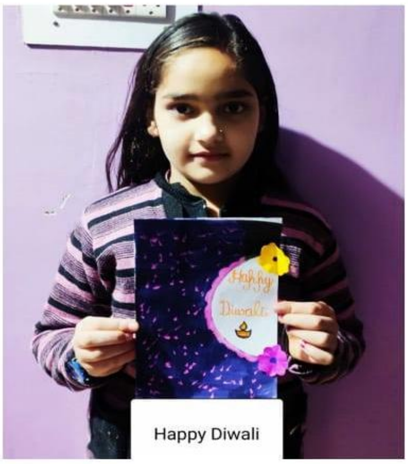

ART AND CRAFT ACTIVITIES

PHYSICAL ACTIVITIES

THANK YOU / धन्यवाद

केंद्रीय विद् घुमारवीं